<table>
<thead>
<tr>
<th>पृष्ठ कंटेंट</th>
<th>पृष्ठ नंबर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>पूर्वतिका</td>
<td>(i–vii)</td>
</tr>
<tr>
<td>संक्षिप्त-पूर्वतिका</td>
<td>(viii–ix)</td>
</tr>
<tr>
<td>माननिश्चित: वांछ वाणिज्य तौक्त</td>
<td>(x)</td>
</tr>
<tr>
<td>1. वनप्रलिपि</td>
<td>1-101</td>
</tr>
<tr>
<td>1.1. स्थानिकाला</td>
<td>1</td>
</tr>
<tr>
<td>1.1.1 मानक हिंदी स्थानिकाला</td>
<td>1</td>
</tr>
<tr>
<td>1.1.2 वांछ तौक्तिकाला</td>
<td>9</td>
</tr>
<tr>
<td>1.2. स्थानिकीय व्यव्हार</td>
<td>15</td>
</tr>
<tr>
<td>1.2.1 वांछ एककथी व्यव्हार</td>
<td>15</td>
</tr>
<tr>
<td>1.2.2 वंशकन एककथी व्यव्हार</td>
<td>19</td>
</tr>
<tr>
<td>1.2.3 वनश्वाश्वर स्थानिकी एककथी व्यव्हार</td>
<td>27</td>
</tr>
<tr>
<td>1.3. स्थानिकीय व्यव्हार</td>
<td>28</td>
</tr>
<tr>
<td>1.3.1 वांछ में स्थानिकीय लव व्यवहार तथा स्थानिकीय चालक-दीवारी</td>
<td>28</td>
</tr>
<tr>
<td>1.3.2 मानक हिंदी में स्थानिकीय व्यवहारदीवारी</td>
<td>31</td>
</tr>
<tr>
<td>1.3.3 /टे वी/ के एम्ब्यूज उपवन</td>
<td>34</td>
</tr>
<tr>
<td>1.3.4 /प/ तथा /ई/ के उपवन</td>
<td>36</td>
</tr>
<tr>
<td>1.3.5 स्थानिकीय अनुगामिता</td>
<td>36</td>
</tr>
</tbody>
</table>
1.4. विवरण

1.4.1 स्थान का विवरण
1.4.2 भ्रमण का विवरण
1.4.3 नस्लकार्य का विवरण

1.5. नस्ल

1.5.1 नस्ल प्राप्त कै मे पादि तथा बन्न मे 
कोई व्यवस न हो
1.5.2 पादि नस्ल
1.5.3 मध्य नस्ल
1.5.4 बायन नस्ल

1.6. नस्लकृता कृमा हत्या

1.6.1 नस्लकृता कृमा हत्या धंकनी कुश कुश
1.6.2 धंकन ने नस्ल हत्या की कुश पारिषद समारूह
1.6.3 पारिषद समारूह किसी वाक मे न हो नस्ल हत्या उपकार परस्पर वांछ मे बनकोय

1.7. नस्लगुण

1.7.1 पादि नस्लगुण
1.7.2 मध्य नस्लगुण
1.7.3 बायन नस्लगुण

1.8. कार

1.8.1 कार-हिमा
1.8.2 रक्षा करार लब्ध के कार छाड़े
1.8.3 बायन करार लब्ध के कार छाड़े
1.9. क्लापात

1.9.1 शारीर क्लापात ब्यंजनेव पर हें 95
1.9.2 चार तर पर क्लापात ब्यंजनेव 96
1.9.3 चार तरीय क्लापात का प्रमाण 96

1.10. भुगतानिक्षिण

1.10.1 पानी विनोदी की स्वास्थ्य भुगतानिक्षिण की परिरिवार किंवा किंवा स्वास्थ्य भुगतानिक्षिण की 100
1.10.2 पानी विनोदी भुगतानिक्षिण के त्याग पर बाबासाहेब भारावण 101

2. हमलाप्रकाश

2.1. लक्षित का होप

2.1.1 /-/- / का होप 102
2.1.2 / हे / तथा /द / बाहुल्य / व / का होप 103
2.1.3 धूमालिक कुक्ता में / द / का होप 104
2.1.4 विकल्पक तरत ता प्रस्तुत 104
2.1.5 / ६ / का होप 105

2.2. लक्षित का बाक्ष

2.2.1 टरंग तरंग का विकल्पक 106
2.2.2 विकल्पक व्यंजनों का बाक्ष 107

2.3. लक्षित पशुष्पन्द

2.3.1 स्तर पशुष्पन्द 111
2.3.2 तरंग पशुष्पन्द 116
### 3. अभ्यासिता

<table>
<thead>
<tr>
<th>संख्या</th>
<th>विषय</th>
<th>पृष्ठमापन</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>3.1.</td>
<td>व्यंग्य</td>
<td>121</td>
</tr>
<tr>
<td>3.1.1</td>
<td>व्यंग्य क्याम्बल</td>
<td>121</td>
</tr>
<tr>
<td>3.1.2</td>
<td>लिंग</td>
<td>123</td>
</tr>
<tr>
<td>3.1.3</td>
<td>वचन</td>
<td>129</td>
</tr>
<tr>
<td>3.1.4</td>
<td>गारु</td>
<td>131</td>
</tr>
<tr>
<td>3.2.</td>
<td>व्यंगम</td>
<td>143</td>
</tr>
<tr>
<td>3.2.1</td>
<td>व्यंगम क्याम्बल</td>
<td>143</td>
</tr>
<tr>
<td>3.2.2</td>
<td>लिंग</td>
<td>145</td>
</tr>
<tr>
<td>3.2.3</td>
<td>वचन</td>
<td>145</td>
</tr>
<tr>
<td>3.2.4</td>
<td>पुरुष</td>
<td>147</td>
</tr>
<tr>
<td>3.2.5</td>
<td>गारु</td>
<td>148</td>
</tr>
<tr>
<td>3.2.6</td>
<td>स्त्री गारु हें वैकिस्क शैलिस्चरण रूप</td>
<td>151</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.</td>
<td>विशेषण</td>
<td>152</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.1</td>
<td>विशेषार्थक तथा विशेषार्थी विशेषण</td>
<td>152</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.2</td>
<td>विशेषणार्थक का स्थानार्थक</td>
<td>154</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.3</td>
<td>व्यंगमों के स्थानपन्न विशेषण</td>
<td>155</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.4</td>
<td>'का' का प्रयोग</td>
<td>156</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.5</td>
<td>विशेषण के रूप में बुद्धार्थक का प्रयोग</td>
<td>156</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.6</td>
<td>उद्याक्कार विशेषण</td>
<td>157</td>
</tr>
<tr>
<td>3.3.7</td>
<td>उपाद्यास्त्र का उपाद्यास्त्र</td>
<td>162</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.</td>
<td>फ़ित्रा</td>
<td>163</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.1</td>
<td>वन्य स्थलिका</td>
<td>163</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.2</td>
<td>फ़ित्रा का चारार्थक रूप</td>
<td>164</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.3</td>
<td>फ़ित्रा तथा फ़ित्रा फ़ित्रा</td>
<td>164</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.4</td>
<td>प्रेमार्थक ग्रंथ</td>
<td>167</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.5</td>
<td>नामपवाल</td>
<td>171</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.6</td>
<td>कुल</td>
<td>171</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.7</td>
<td>सिंह, पशु तथा पुरुष</td>
<td>177</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.8</td>
<td>काल</td>
<td>179</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.9</td>
<td>पत्र</td>
<td>180</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.10</td>
<td>दूध</td>
<td>181</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.11</td>
<td>श्रायक ग्रंथ</td>
<td>182</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.12</td>
<td>वण्य</td>
<td>184</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.13</td>
<td>काल रूपा</td>
<td>185</td>
</tr>
<tr>
<td>3.4.14</td>
<td>शुभराष्ट्राय</td>
<td>188</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| 3.5 | नामाविवेचण | |
| 3.5.1 | क्षान्तरण | 190 |
| 3.5.2 | श्रायन्त्रिक नामाविवेचण | 191 |
| 3.5.3 | संज्ञा द्वारा नामाविवेचण | 195 |
| 3.5.4 | नामाविवेचण के स्त्रोत | 196 |
| 3.5.5 | निषेधात्मक नामाविवेचण | 197 |
| 3.5.6 | क्षात्रिय निपात का योग | 198 |

| 3.6 | परावर्तना परागतिक वर्ण | |
| 3.6.1 | परावर्तना | 199 |
| 3.6.2 | परागतिक वर्ण | 204 |

| 3.7 | अल्पव्ययकार | |

| 3.8 | विस्मयादिवेशक | |

| 3.9 | अनुपम प्रातिपदिक | |
| 3.9.1 | अनुपम प्रथ्याय स्थार | अनुपम प्रातिपदिक | 209 |
| 3.9.2 | अनुपम धाराविक प्रातिपदिक | 210 |

| 3.9.3 | अनुपम धर्माविक प्रातिपदिक | 217 |
4. पादक्र-विन्यास

4.1. प्रस्तुत उद्देश्य के अंतर्गत

219

4.2. पदक्र

221

4.3. उपदेश, तथा विशेष की पैढ़ी

221

4.3.1 वचनार्थ पैढ़ी

222

4.3.2 लिंगार्थ पैढ़ी

223

4.3.3 पूर्वार्थ पैढ़ी

224

4.4. कर्मं कथा तथा पादक्र प्रयोग

224

4.5. पदक्र

225

4.5.1 द्वारक पदक्र

225

4.5.2 द्वारक पदक्र

227

4.5.3 द्वारकविशेषण पदक्र

229

4.6. उपाध्यय

229

4.7. रुपान्वयन

231

4.7.1 तद्वारापित्त वाक्यों का निश्चिताप्रक हार्मोन के रुपान्वयन

231

4.7.2 सूचना का वर्णन में रुपान्वयन

233

परिचय

235

हस्ताक्षर प्रस्तुत दूरी (सिऩ्डी)

245

हस्ताक्षर प्रस्तुत दूरी (कड़ींडी)

255